



RAINBOW SATHI • ரெனபோ சாதி • ரெயின்ஓ சாத்தி • ரெயின்ஓபோ சாத்தி • ரெயின்ஓபோ சாத்தி • ரெயின்ஓபோ சாத்தி • ரெயின்ஓபோ சாத்தி



RAINBOW SATHI • ரெனபோ சாதி • ரெயின்ஓ சாத்தி • ரெயின்ஓபோ சாத்தி • ரெயின்ஓபோ சாத்தி • ரெயின்ஓபோ சாத்தி • ரெயின்ஓபோ சாத்தி



**दोस्ती
जिंदाबाद**

**Long Live
Friendship**

जात-पात, धर्म, लिंग, भाषा, अमीरी-गरीबी और सरहदों के बंधन से परे है दोस्ती। दोस्ती के परवाने हैं हम, अमन के रखवाले। दिलों को जोड़ते हुए बढ़ाते हैं हम अपना कारवां

Friendship is beyond Caste, religion, gender, language, class & borders. We are messengers of friendship & torch bearers of peace



RAINBOW SATHI • ரெனபோ சாதி • ரெயின்ஓ சாத்தி • ரெயின்ஓபோ சாத்தி • ரெயின்ஓபோ சாத்தி • ரெயின்ஓபோ சாத்தி • ரெயின்ஓபோ சாத்தி



RAINBOW SATHI • ரெனபோ சாதி • ரெயின்ஓ சாத்தி • ரெயின்ஓபோ சாத்தி • ரெயின்ஓபோ சாத்தி • ரெயின்ஓபோ சாத்தி • ரெயின்ஓபோ சாத்தி



Prayer

ప్రార్థనా

ప్రార్థన

God!

Thank you for this beautiful life as part of creation!

WE believe, we wish, to live in friendship and mutual respect with head held high, in courage and self confidence.

We believe, we wish that all human beings, whether men or women, live in equality, and in happiness, whatever their colour, caste, class, religion, region, language or abilities.

We believe that, we wish to strongly oppose divisive forces and ideologies that spread hatred and divide us and support democratic and non-violent actions for justice, humanity, truth and peace, taking injustice done to others as inflicted on us.

WE believe in, we wish to contribute our mite towards, the building of more humane and free world, in good health and joyful learning and spreading knowledge.

God!

We believe in, and wish to join our tiny hands with the multitude of the people in this ages-old divine journey of love.

ईश्वर अल्लाह

हमारी ये दुआ है कि इस दुनिया में कोई भी बच्चा ना हो जिसे भोजन प्यार सुरक्षा और शिक्षा न मिले और यह भी प्रार्थना है कि हम अपने आस पास सबकी जिंदगी में खुशी की रोशनी भर दे।

దైవమా!

సృష్టిలో బాగంగా మాకిచ్చిన ఈ అందమైన జీవితం కోసం నీకు ధన్యవాదాలు!

మేమెంతా నిర్ణయంగా తలెత్తుకొని అత్యాభిమానాలతో, పరస్పర గౌరవాలతో స్నేహంగా బ్రతకాలని నమ్ముతున్నాము,

కోరుకొంటున్నాము!

స్త్రీలైనా, పురుషులైనా, వారి రంగు, కులం, మతం, వర్గం, సామర్థ్యం, బాషా ప్రాంతం, ఏదైనా, మనుష్యులందరమూ సమానమేనని,

నవ్వుతూ జీవించాలని నమ్ముతున్నాము, కోరుకొంటున్నాము!

మమ్మల్ని విడదీసే ద్వేషపూరిత శక్తులను, సిద్ధాంతాలను బలంగా వ్యతిరేకిస్తున్నాము. ఇతరులకి జరిగిన అన్యాయాన్ని మాకే జరిగిందని

భావిస్తూ, మానవత, న్యాయం, సత్యం, శాంతి, అహింస, ప్రజాస్వామ్య విలువలను నమ్ముతున్నాము, కోరుకొంటున్నాము!

మరింత మానవీయ స్వేచ్ఛా ప్రపంచ నిర్మాణంలో, ఆరోగ్యంగా ఆడుతూ, పాడుతూ, జ్ఞానాన్ని పెంచుకొంటూ, పంచుకొంటూమేము సైతం అంకితమవ్వాలని, నమ్ముతున్నాము, కోరుకొంటున్నాము..!

దైవమా!

అనాదిగా సాగుతున్న, ఈ దివ్య ప్రేమపూరిత యాత్రలో, లక్షలాదిమందితో మా చిన్ని చేతులను కూడా కలపాలని, నమ్ముతున్నాము,

కోరుకొంటున్నాము..!



TEAM Work

Year 1, Issue 2
February 2017

ADVISORY BOARD

K. LALITHA,
T.M. KRISHANA
GEETA RAMASWAMY
MAITREYI PUSHPA
K. ANURADHAEDITOR IN CHIEF
BHASHA SINGHEDITORIAL BOARD
AMBIKA, DEEPTI
BEZWADA WILSONCHANDA
(DELHI)SAHITYA
(HYDERABAD)SHIVAM
(PATNA)S KUMAR
(HYDERABAD)

CHILD JOURNALIST

SUMMI, DELHI



DEEPAK, DELHI



SABITHA, HYDERABAD



A KUMAR, HYDERABAD



NAGA LAXMI, HYDERABAD



BHAVANI, CHENNAI



KAJAL, PATNA



BINDU, PATNA



ASMA, PUNE



CITIZEN JOURNALIST

ARTI SINGHASAN, DELHI
DIVYA, HYDERABAD
CHAKRAVARTHY KUNTOLLA,
HYDERABAD
PRIYA, CHENNAI
KHUSHBOO, PATNA

हम बोले दुनिया सुने...

दोस्ती

दुनिया रंग-रंगीली है, इसे बच्चों से ज्यादा और कौन जान सकता है। ये रंग सिर्फ लाल-पीले-नीले, काले, सफेद ... में ही नहीं होते हैं, बल्कि ये रंग फैले हैं हमारी हंसी, हमारे आंसू, हमारी नाराजगी, हमारी जलन, हमारे मोहब्बत में। ये रंग फैले हैं हमारे इंद्रधनुष में, रेनबो में। ऐसा ही एक रंग है दोस्ती का, प्रेम का, मोहब्बत का। इस बार का रेनबो साथी दोस्ती के रंग में रंगा है। इसे रंगने में हम सबने मिलकर साझा प्रयास किया है। दोस्ती, प्रेम के बारे में बच्चों के दिल-दिमाग में कितने सवाल, कितने पहलू हैं, हमारी सोच की उड़ान कहां तक हो सकती है, इसे कुछ-कुछ पकड़ने की कोशिश की है।

दोस्ती के पंख को किसी सरहद, सीमा, धर्म, जाति, भाषा, लिंग की परिधि में नहीं बांधा जा सकता। लेकिन जिस समाज में हम रह रहे हैं, वहां लगातार दोस्ती को धरासाईं करने वाली ताकतें लगातार हावी हो रही हैं। समाज का एक हिस्सा ऐसा माहौल बना रहा है जहां एक जाति या धर्म का लड़का-लड़की दूसरी जाति या धर्म के लड़का-लड़की से दोस्ती-प्रेम नहीं कर सकते। अमीर-गरीब से दूर रहे, दलित-दबंग जातियों से दूर, लड़कियां-लड़कों से दूर रहें, एक धर्म को मानने वाले दूसरे धर्म को मानने वालों से दूर रहें। ऐसा खतरनाक माहौल हमारे देश में ही नहीं बल्कि दुनिया भर में बन रहा है। दुनिया का एक प्रभावशाली देश एक धर्म विशेष को मानने वालों का प्रवेश वर्जित करने का आदेश करता है। आप यह सोच रहे होंगे कि दोस्ती पर बात करते-करते हम नफरत पर कैसे और क्यों बात करने लगे...हैं न? बात बहुत सीधी सी है कि अगर हम दोस्ती के पक्ष में हैं तो नफरत के खिलाफ हैं। दोस्ती को और फैलाने के लिए यह भी जरूरी है कि हम ये जानें कि कौन दोस्ती और अमन के खिलाफ है।

दरअसल, हमें यह याद रखना है कि हम वंसत की संतानें हैं, हम पूरी दुनिया में फूल खिलाने, दोस्ती का पैगाम फैलाने के लिए ही तो आए हैं, इसी मकसद के लिए तो हमने हाथ मिलाया है...

जोर से बोलो - दोस्ती जिंदाबाद !!!

We speak world listens

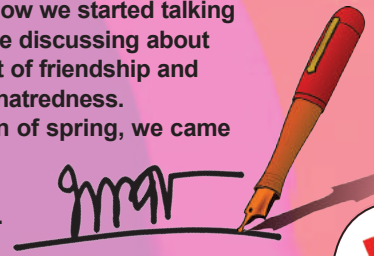
Friends

World is so colourful, who will know better than children. These colours are not only red, black, blue, yellow, black, white...but they are spread in our smiles, our tears, our anger, our jealousy and our love. These colours are spread in our Rainbow. In the same way there is colour of friendship, colour of love. This issue of *Rainbow Sathi* is about colours of friendship. We have all worked together to catch and bring different shades of friendship, love & affection.

Friendship can't be restricted to boundaries of country, religion, caste, language, gender etc. But in our society, forces which want to demolish bond of friendship are becoming powerful. They come and say boys and girls can't be friend, they can't love. Person from different caste and religion cant love, rich and poor should not come close. This is not happening only in India, its happening across the globe. One powerful country restricts entry on persons belonging to one particular religion. You may be thinking how we started talking about these divisive forces, while we were discussing about friendship. Its simple. If we are in support of friendship and peace then we have to oppose forces of hatredness.

We have to remember, we are children of spring, we came to bloom flowers in world, to spread friendship across, for this purpose we have joined hand together...

Long Live Freindship !!!





चंदा, कक्षा - 10
कबीर बस्ती उन्नति गर्ल्स होम, दिल्ली

बिछड़ी हुई मां सी लगीं राधिका वेमुला जी



आज हम सब खुश हो रहे थे। जिनका हमें इंतजार था वह हम मिलने आई थीं। उनका नाम है राधिका वेमुला। उनसे मिलकर और उनसे बात करके ऐसा लग रहा था कि हम फिर से बिछड़ी हुई अपनी मां के साथ हैं। राधिका जी से मुलाकात को मैं कभी नहीं भूल

We all were very happy. We wanted to meet her desperately and today she was coming to meet us. Her name is Radhika Vemula. After meeting her we felt like we met our lost mother. At this moment even if storm would have come, it could have not stopped us to attend this function and meet Radhika ji.

Radhika ji, told us about brother Rohit and asked us to fight back to injustice. She shared with us aspirations of brother Rohit. Our heart get touched by many aspects we came to know about brother Rohit. How he fought for his rights. She

सकती हूँ। उनके साथ रोहित भैया (रोहित वेमुला, जिन्होंने जातिगत भेदभाव के खिलाफ लंबी लड़ाई हैदराबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी में लड़ी थी। केंद्र सरकार और विश्वविद्यालय प्रशासन के निरंकुश रवैये, अपमान और प्रताड़ना से दुखी होकर 17 जनवरी, 2016 में आत्महत्या कर ली थी। उसके बाद से देश भर में आक्रोश की लहर फैल गई और बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए। देश भर में रोहित वेमुला की मां राधिका वेमुला ने अपने दुख को रखा और वह प्रतिरोध की मिसाल के तौर पर सामने आई)

उनके साथ रोहित भइया की बातों ने हमारा मार्गदर्शन किया। रोहित भैया की मम्मी ने हमें रोहित भैया की दृढ़निश्चत्ता के बारे में बताया रोहित भइया की कुछ बात मेरे दिल को छू गई, जैसे जीवन में अपने अधिकार के लिए आवाज उठाना। उन्हें रोहित भैया के जाने का बहुत दुख है। उन्होंने कहा, 'काश रोहित मुझे अपना दुख मुझे बता देता।'

राधिका जी ने कहा, कि हम उन्हें मम्मी कह कर बुला सकते हैं, हम सब उनकी बेटियां हैं राधिका जी के लिए मैं कहूंगी।

मां तू कहाँ है?

**मन करता है उड़ पाऊं, तेरा आंचल पकड़कर हाथ से थाम लूं
मां के आंसू**

**इन्हें पीकर दुनिया पूरी पा लूं
मर ना जाऊं तेरा आंचल छोड़कर
ये जिंदगी है तेरे एहसान की
तूने बिछाया है यह आंचल मुझ पर
वेफिक्र हो जाऊं तेरी छाया में आकर
खुदा ने दी है ये जान तेरे लिए
तेरा मुझ पर एहसान है
तूने दिया है एक नया सा नाम
मैं वो नहीं जो मुड़कर नहीं देखती
मैं वो भी नहीं जो छू कर उड़ जाऊं
मैं वो रोशनी बनकर चारों ओर फैल जाऊं।**

said that she is very sad that Rohith has left her, atleast he should have told her about sorrow.

Radhika ji told us that we can call her Mummy, and we felt so happy about it. I want to tell Radhika ji---

**Mother where are you
I want to fly in the sky holding your sari
I want to hold your tears
By drinking these tears I can win the world.**





Home of hope & love inaugurated by Radhika Vemula

The Kilkari and Khushi rainbow homes started with a heart, an empty building and some beautiful children to come together to make a home. With love, protection and comprehensive care they have grown up to be young girls, ready to embark upon an independent life.

As they were turning 18, the Rainbow Foundation India & mentor Harsh Mandar started looking for spaces and garnering support to start a group living for the young girls who had

little or no support from their families. The Unnati girls home is towards this direction. Located in Kabir Basti, this is a residential hostel for young girls. It was inaugurated by Radhika Vemula on 21st December 2016. Herself a dalit and an activist, she was a source of strength for the girls who were starting a new life.

Many friends and well-wishers from DUSIB, SSA and other state departments, civil society and community gathered for this inauguration. Programme was initiated by Harsh Mander. It had many intense and emotional discussions of Rohit Vemula's tribulations through Radhika's experience. Radhikaji bonded instantly with the ten young girls who shifted to this Unnati home.

Deepti Srivastava



‘AMBEDKAR IS MY ROLE MODEL’

RS. Praveen Kumar IPS, Secretary, Telangana, Residential School Society

Interview By:

J Sabitha

Degree 2nd Year
APSA Rainbow Home
Hyderabad

S Kumar

Rainbow Home,
Vijayanagar Colony
Hyderabad

Being an IPS how you joined Telangana Residential Social Educational Society which runs schools for Scheduled castes - Scheduled Tribes & under privileged children ?

My idea from childhood is that I should strive for poor and deprived children, to make them educated and take them to good heights in life. I thought that this department of social welfare Residential society provides me an opportunity to strive for the provision of education to the real needy of the society. This hope brought me into this department.

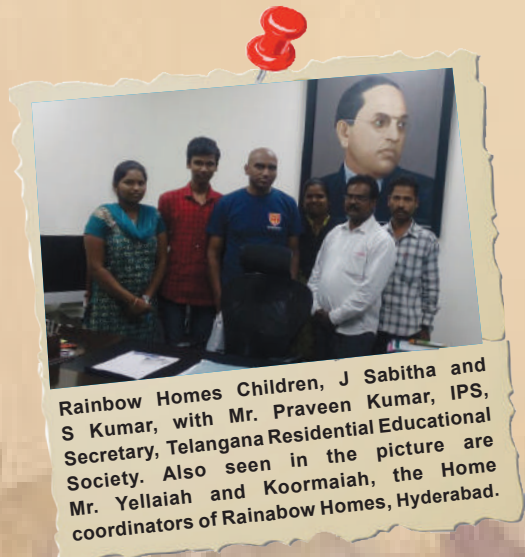
Whether you had ambition of becoming IPS right from childhood or...?

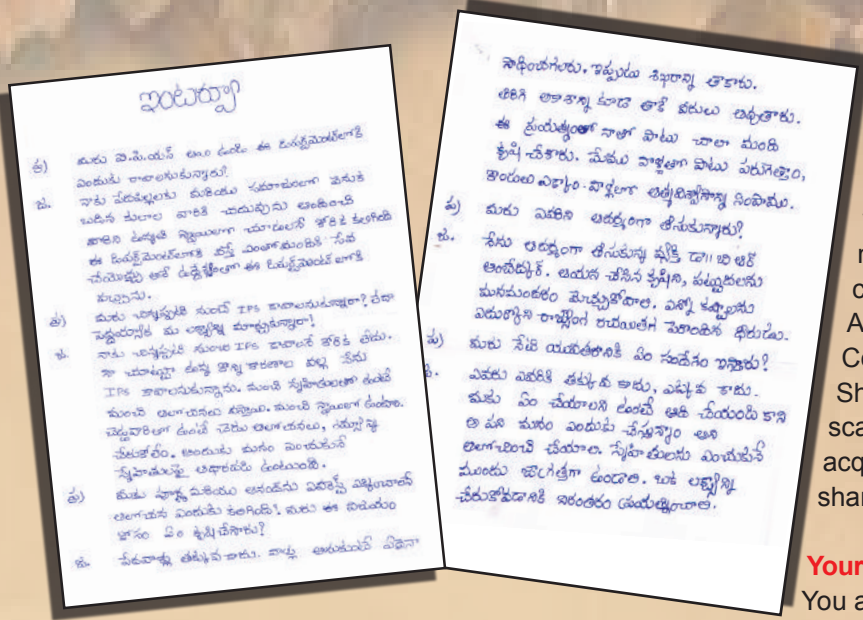
I never had the thought of becoming IPS in childhood. The various issues and circumstances that I encountered in my life from child made me think, at a point, to get into IPS. You generally get influenced by your friends around you. If your friend circle is good you will have good thoughts and you will be inspired to do good deeds. If you have bad friends, you will naturally go the bad way and cannot reach your aim. So it all depends upon the friends you choose and the acts you perform in making you reach highest targets in life.

Students of residential school- Malavath Poorna and Anand Kumar conquered the highest Mountain peak of Himalayas, the Mount Everest. How you planned ?

The idea emerged from the fact I believed from childhood that, No Poor person is inferior to any one in this world. They also have the same amount of tenacity and vigour as like others. We want to prove this fact in an empirical way. And so Anand Kumar and Malavath Poorna's Mount Everest expedition started. Now they have touch the peak of Everest. Tomorrow they will be able to touch the Sky too.

Striving to make them ready to scale Mount Everest was not a sole deed of mine. There were many people behind them who have put their heart and soul. We also worked out along





We should all learn from his hard work, his tenacity, and his struggle to make the downtrodden people of this country to look up high in their lives. Also his efforts at authoring the Constitution of India is unparalleled. Should be role model for all of us in scaling new heights in life through sheer acquisition of knowledge and struggle in sharing it with all..!

Your message for Younger Generation?
 You are 'No Less' or 'No More' to anyone. Do what ever you wanted to do in your life. But please have an aim in doing that. Make a mandate for yourself in life in doing anything of what you want to do. Be careful in choosing your friends, for you get to be influenced a lot by them. One you make an aim in your life to be achieved, struggle hard to achieve that, no matter, come what may..!

with those two children. We climbed hills as part of the work out. We were able to instill self confidence among them. The result is the two under privileged children of yester years were able to scale the highest peak..!

Who is your Role Model ?
 Undoubtedly, its Dr.B.R. Ambedkar!

अंबेडकर मेरे रोल मॉडल

आर.एस. प्रवीण कुमार, सचिव, तेलंगाना रेजीडेंशियल स्कूल सोसायटी। रेनबो होम्स के जे. सविता, एस. कुमार द्वारा इंटरव्यू

आईपीएस बनने और पुलिस सेवा में इतने समय काम करने के बाद आपके मन में उस तेलंगाना रेजीडेंशियल सोशियल एजुकेशन सोसायटी से जुड़ने का ख्याल कैसे आया जो अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजातियों और पिछड़े तबके के बच्चों के लिए स्कूल चलाती है?

बचपन से ही मेरे जेहन में हमेशा से यह इरादा कौंधता रहा है कि मैं गरीब व वर्चिष्ठ तबके के बच्चों के लिए कुछ करूँ, उन्हें शिक्षित करूँ और जीवन में नई ऊँचाइयों तक ले जाऊँ। मुझे लगा कि सोशियल वेलफेयर रेजीडेंशियल सोसायटी का यह विभाग मुझे इस बात का मौका देगा कि मैं वाकई समाज के जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा के लिए कुछ कर सकूँ। यही उम्मीद मुझे इस विभाग में ले आई।

आपने आईपीएस बनने की कब ठानी ?

मैंने बचपन में तो कभी भी आईपीएस बनने के बारे में नहीं सोचा था। फिर कई ऐसे मसले हुए, कई ऐसी स्थितियाँ बनीं कि आगे जाकर मुझे आईपीएस बनने के बारे में सोचना पड़ा। आप अक्सर अपने आसपास के दोस्तों से प्रभावित हो जाते हैं। अगर आपके आसपास के दोस्त अच्छे हैं तो आपके मन में अच्छे इरादे रहेंगे और आप अच्छा काम करेंगे। जीवन में आप कितनी ऊँचाई को छू पाते हैं, यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप कैसे दोस्त चुनते हैं और क्या काम करते हैं।

तेलंगाना के रेजीडेंशियल स्कूलों से निकले आदिवासी व दलित बच्चों मलावत पूरणा और आनंद कुमार के हिमालय की सबसे ऊंची चोटी माउंट

एवरस्ट तक पहुँचने में आपकी भी भूमिका रही। कैसे किया यह
 यह ख्याल बचपन से मेरे मन में बैठे इस यकीन से आया कि कोई इंसान कितना भी गरीब क्यों न हो लेकिन वह दुनिया में किसी से कम काबिल तो नहीं है। उनमें भी दूसरों की ही तरह संकल्प व ऊर्जा है। हम इस बात को असली घटना के साथ साबित करना चाहते थे। इसी से आनंद कुमार व मलावत पूर्णा के एवरस्ट अभियान की शुरुआत हुई। अब वे लोग एवरस्ट की चोटी को छूने में कामयाब हो गए हैं तो कल को वे आसमान भी छू लेंगे। फिर उन्हें दुनिया की सबसे ऊंची चोटी पर पहुँचने के लिए तैयार करने में मैं अकेला नहीं था। कई लोग उनके पीछे थे जिन्होंने पूरा दिल व मेहनत उसमें लगाई। उनके साथ-साथ हम भी चढ़ाईयाँ चढ़ते। तैयारी में हम कई पहाड़ चढ़े। हम इससे उनमें आत्मविश्वास पैदा करने में कामयाब रहे। नतीजा हम सबके सामने है।

आप अपने जीवन में किसको आदर्श मानते हैं ?

निस्संदेह डा. बी.आर. अंबेडकर को! हम सभी को उनकी कड़ी मेहनत, निष्ठा और देश के निचले तबके के लोगों के जीवन को ऊपर उठाने के लिए किए गए संघर्ष से सीखना चाहिए। उसके अलावा देश के संविधान को लिखने में उनकी कोशिशें भी अपने आप में मिसाल हैं जो हम सभी के लिए आदर्श होनी चाहिए ताकि ज्ञान हासिल करके हम नई ऊँचाइयों को छू सकें।

आप आज के दौर की युवा पीढ़ी को क्या कहना चाहते हैं ?

यही की तुम लोग किसी से भी न कम हो और न ही ज्यादा। जिंदगी में जो भी करना चाहते हैं वो करें लेकिन उसके करने में भी सामने एक लक्ष्य जरूर रखें। जो भी काम आप करना चाहते हैं उसमें अपने लिए एक नियम बनाकर चलें। दोस्तों को चुनने में सावधानी बरतें क्योंकि आपपर उनका बहुत असर पड़ेगा। जिंदगी के लिए कोई लक्ष्य तय कर लें तो फिर उसे हासिल करके ही माने





Those who brings smile in Homes



MY DEAR CHILDREN & YOUNG FRIENDS,

Did you ever get time to think about people around you in Rainbow home? People means our Rainbow home family members who care for you and a. I know you will be busy in the Rainbow home the moment you wake up with wide range of activities and enjoying your childhood. Did we ever think about people behind our vibrant Rainbow home and behind your smiles? I am just curious to know what you understand about them.



Definitely I will hear from you when I meet you. In the mean time I would like to share my observations on their contribution, hardwork, passion, commitment to keep you happy & bring those smiles on your faces.

They do meet various requirements of you as social mobilisers, home managers, teachers, security guard, house mothers, counselors, coordinators etc. Many of them are first generation learners who struggled in their lives and became what they are today. They Joined rainbow homes with commitment of doing something for children & young friends like you. Incidentally that became their job where they spend more than 12 hours a day leaving away their families and children. Each of you may think that they are doing only few things for you. We need to realise that they also have to take care of other 100 children needs which are so diversified. Cleaning of home, preparing food, maintaining stocks, serving food timely, checking all the children are eaten, mobilizing absent children, ensuring every child has proper clothes, extending love, taking care of toiletries, school stationaries, taking care of sick children, study hours, extracurricular activities, life skills sessions and many more. When you put all the work they are doing together it will be overwhelming. As a result at times they may not reach out to you on time which will make us angry. In the process what we miss to understand is they doing all this hard work at the cost of taking care of their own families and children. In addition they also have to attend various donors, civil society people, teachers of the government school you are studying, officials of government departments coming for inspections, maintaining records, writing reports, home repairs and lot more.

What they expect in return from you is your happiness, good education, not running away from rainbow home, not fighting with other children,





learning many things of various activities of Rainbow home and becoming a good and successful human being. It is not about simply doing these works. Some of our children are also very tough to manage and convince them to do what is required. Don't you think it is our responsibility to recognize their struggles and efforts to cooperate with them? Though our Sneh sathis are having different designations for recognition of their responsibilities, we need to recognize that each one of them are so

important in terms of what they do for us and we need to treat them equally with affection. Similar to my love on you, I have great respect on them for what all they do despite their limitations. I will be proud if you all recognize and respect our sneh sathis and their contributions. Share your friendship and love with them and celebrate your relationship in Rainbow homes.

V.Ch.S.Bahadur,

Director, Programs & Operations, RFI

स्नेह साथियों पर टिकी इमारत

प्यारे बच्चों और दोस्तों,

क्या आपको कभी रेनबो होम में अपने आसपास के लोगों के बारे में सोचने का वक्त मिलता है? यहां लोगों से मेरा आशय रेनबो होम परिवार के उन सदस्यों के बारे में है जो आप लोगों की देखरेख करते हैं। मैं जानता हूँ कि रेनबो होम में आप लोग सबसे उठते ही तरह-तरह की गतिविधियों में और अपने बचपन का आनंद लेने में व्यस्त हो जाते हैं। लेकिन क्या कभी हम उन लोगों के

बारे में सोचते हैं जो हमारे इन्द्रधनुषी घर में रंग बिखेरते हैं और आपके चेहरों पर खुशी की चमक लेकर आते हैं? मुझे तो यह जानने की बड़ी उत्सुकता है कि आप उन लोगों के बारे में क्या समझते हो। जब मैं आप सबसे मिलूंगा तो जरूर आपकी बातें सुनूंगा। तब तक मैं आपको आपके जीवन में खुशियां भरने में उन लोगों के योगदान, उनकी मेहनत, उनके जज्बे और उनकी लगन के बारे में अपनी तरफ से कुछ बताऊंगा।

ये सब लोग आपकी और आपके आसपास की कई जरूरतों को पूरा करते हैं, जैसे कि बाहर के लोगों से मिलना-जुलना, होम का प्रबंधन, आपके टीचर, सिक्यूरिटी गार्ड, हाउस मदर, काउंसलर, कोर्डिनेटर वगैरह। इनमें से कई ने सीखते और संघर्ष करते हुए अपने जीवन को खड़ा किया है और आज यहां तक पहुंचे हैं। ये लोग बच्चों और आप जैसे युवा दोस्तों के लिए कुछ करने का इरादा लेकर ही रेनबो होम के साथ जुड़े हैं। वे रोजाना 12 घंटे अपने परिवार व बच्चों से अलग आपके साथ बिताते हैं। आपमें से हरेक को लग सकता है कि वे आपके लिए तो बहुत थोड़ा ही करते हैं लेकिन जरा सोचो कि वे इतना ही थोड़ा-थोड़ा बाकी तकरीबन सौ बच्चों के लिए भी करते हैं जो अलग-अलग तरह के हैं और जिनकी जरूरतें अलग-अलग हैं। उन्हें तो सबका ध्यान रखना पड़ता है- होम की सफाई, खाना बनाना, स्टॉक बनाकर रखना, समय पर खाना देना, यह ध्यान रखना कि सबने

खाना खा लिया है, सब बच्चे तैयार हो गए हैं या नहीं, सब स्कूल जा रहे हैं या नहीं, रो रहे बच्चों का ख्याल रखना, स्कूल नहीं गए बच्चों को संभालना, यह सुनिश्चित करना कि सब बच्चों के पास अच्छे कपड़े हैं, सबको प्यार देना, जरूरत का सामान उपलब्ध कराना, कॉपी-किताबें दिलाना, बीमार बच्चों का ख्याल रखना, पढ़ाई में मदद करना, पढ़ाई के अलावा बाकी गतिविधियों में लगाना, जीवन का बाकी कौशल सिखाना, वगैरह, वगैरह। अगर ये सारा काम मिला लो तो कितना ज्यादा हो जाता होगा उनके लिए! इसलिए कई बार ऐसा भी होता होगा कि वे आपकी कोई बात समय पर पूरी नहीं कर पाते होंगे जिससे आपको गुस्सा भी आ जाता होगा। इस गुस्से में हम अक्सर यह बात भूल जाते हैं कि वे लोग हमारे लिए ये सारी मेहनत अपने परिवारों व बच्चों की देखरेख की कीमत पर कर रहे हैं। इसके अलावा उन्हें कई सारे दानदाताओं से, सिविल सोसायटी के लोगों से, आप जिन स्कूलों में पढ़ रहे हैं, उनके टीचर्स से, निरीक्षण के लिए आने वाले सरकारी विभागों के

अधिकारियों से मिलना होता है, रिकॉर्ड रखने होते हैं, रजिस्टर दाखिल करने होते हैं, रिपोर्ट लिखनी होती है, होम की मरम्मत करानी होती है, वगैरह।

बदले में वे क्या चाहते हैं? आप खुश रहें, अच्छी शिक्षा पाएं, यह कि आप होम से न भागें, आप दूसरे बच्चों से लड़ें न लड़ें, रेनबो होम की विभिन्न गतिविधियों से सीखें और फिर एक अच्छे व कामयाब इंसान बनें। बात सिर्फ ये सारे काम करने की भी नहीं है। हममें से कई बच्चे थोड़े शरारती भी होते हैं और उन्हें जरूरी काम करने के लिए तैयार करना बहुत मुश्किल होता है। क्या आपको नहीं लगता कि यह हमारी भी जिम्मेदारी है कि हम उनके संघर्ष व कोशिशों को समझें और उनके साथ सहयोग करें? हमारे इस स्नेह साथियों के उनकी जिम्मेदारियों के हिसाब से अलग-अलग पद होंगे लेकिन हम यह महसूस करना होगा कि जो काम वे करते हैं उसके लिहाज से वे सभी हमारे लिए जरूरी हैं और हमें उन सभी को अपना बराबर का प्यार देना चाहिए। जितना प्यार मेरा आप सभी के लिए है, उतना ही सम्मान उन सभी के काम के लिए भी है। मुझे बड़ा गर्व होगा अगर आप सब भी हमारे स्नेह साथियों और

उनके योगदान को समझकर उनका सम्मान कर सकें। अपनी दोस्ती और प्यार उनके साथ बांटें और रेनबो होम के साथ आप सबके रिश्ते में खुशियां घोलें।

वी.सी.एच.एस. बहादुर, निदेशक प्रोग्राम्स एंड आपरेशंस, आरएफआई





Bindu, class 9
Shree Chandra upper primary school, Bihar

काश मेरी दोस्त पूजा भी पढ़ पाए

मेरे स्कूल में बहुत सारी दोस्त हैं। मैंने उनसे दोस्ती इसलिए की क्योंकि कोई उनसे दोस्ती नहीं करना चाहता था। लोग उनकी जाति को लेकर घृणा करते हैं। वे उन्हें नीचा दिखाने के लिए अपमानित करने वाली बातें करते हैं। जैसे बोलते हैं कि यह लड़की मांझी है इसके हाथ से पानी नहीं पीना है, खाना नहीं खाना है या फिर वह मुस्लिम है तो उन्हें अपने पास नहीं आने देते हैं, या फिर उनके हाथ से कुछ नहीं लेते हैं। मैंने ऐसी लड़की से दोस्ती इसलिए की क्योंकि जिन हालात से वह गुजरी है उससे मैं गुजर चुकी हूँ। हमसे भी लोगों ने भेदभाव किया है। यह हम जैसे सभी बच्चों के साथ होता है। बहुत से बच्चे अपने से दूसरी जाति के बच्चों को देखकर नाक बंदकर लेते हैं और उन्हें अपने पास बैठने भी नहीं देते हैं। न ही उसका कोई सामान लेते हैं, न ही उसके घर का खाना खाते हैं। इस तरह



I wish my friend Pooja May study

I have many friends in the school. I made friendship with girls who face caste discrimination in the school with them. People make such remark on them which they don't like. Like they will say she is Manjhi (SC in Bihar) so should not accept water or food from

का व्यवहार अभी भी होता है जो बच्चों को भीतर से तोड़ देता है। इस तरह से बच्चे शिक्षा से वंचित हो जाते हैं। वह न ही अपना अधिकार और न ही अपनी शिक्षा पूरी कर पाते हैं क्योंकि उनके साथ होने वाला भेदभाव हीनता भर देता है। मेरे घर पर भी मेरी बहुत सारी दोस्त हैं और उसमें से कुछ पढ़ती भी है। उसमें से एक का नाम पूजा है। वह अभी घर पर रहती है पहले वह एक हॉस्टल में पढ़ती थी उसको हॉस्टल में बहुत ही अच्छा लगता था और वहां वह पढ़ाई भी अच्छे से करती थी। एक दिन उसकी मां उसको लेने के लिए गयी और फिर उसे हॉस्टल से निकाल दिया। मां ने उसे कहां की वह अब घर पर ही रहे। उसके माता-पिता शराब बनाते हैं और इस काम में अपनी बेटी को भी लगाना चाहते हैं। उसकी मां बोलती हैं 'तुम्हें अब कहीं नहीं जाना है। स्कूल भी नहीं और न ही हॉस्टल'। पूजा अपने माता-पिता का विरोध नहीं कर पाई और मन ही मन दुखी होती रही। जब भी मैं रेनबो होम से कभी घर जाती हूँ तो उसे लगता है कि वह भी मेरे साथ होम चले। वह कई बार मुझसे कह चुकी है 'मैं तुम्हारे साथ रेनबो होम में रहना चाहती हूँ और यहीं रहकर अपनी पढ़ाई लिखाई पूरी करना चाहती हूँ। पढ़ाई के साथ हर एक्टिविटी में भाग लेना चाहती हूँ'। मैंने उससे कहा कि तुम अपनी पढ़ाई फिर से अच्छे से शुरू करो और तुम्हारा जो लक्ष्य है उसे मेहनत से हासिल करो। वह हम लोगों से होम में कई बार मिलने के लिए भी आती थी और वह जब भी सुनती कि हम लोग कहीं प्रोग्राम में जा रहे हैं तो वह जाने के लिए और भाग लेने के लिए उत्साहित हो जाती है। वह बार-बार बोलती है कि मेरी मां मुझे पढ़ाना नहीं चाहती। मैंने कहा कि हमारे जीवन में अगर भेदभाव होता है तो शिक्षा के कारण खत्म हो सकता है। मां-बाप से वंचित होकर बच्चे भीख मांगते हैं, कचरा चुनते हैं, वह शिक्षित नहीं रहते, जिसके कारण लोग भेदभाव करते हैं। हालांकि पढ़े-लिखे लोगों को भेदभाव नहीं करना चाहिए। मैं चाहती हूँ पूजा के मां-बाप और उसके जैसे तमाम मां-बाप शिक्षा का महत्व समझे।

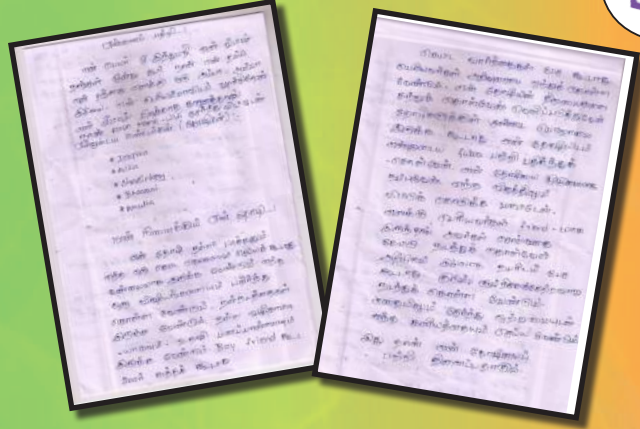
her. Someone is Muslim so she should not be closer to us. I have made friendship with girls due to my same suffering. I have faced caste discrimination. It is common practice among children, to hate or discriminate other children from different caste & religion. Pooja is one of such girl who is very close to me & who suffered a lot. Earlier she was studying in a hostel, she was good in study. Once her mother took her back to home and never sent her back to hostel. Her parents make liquor at home and she is bound to help them. Her mother told her that she will not go to any school or hostel. She respects her parents so doesn't disobey them. When I go to home and share my experiences about rainbow home, she says, she wants to study again to fulfill her dreams. I told her she should do so. I told her that lack of education is major cause of discrimination

Parentless children are prone to do begging, & rag picking. And are unable to go to school. I wish every child should get chance to study.





Indumathi, class 11
Kosapet Arun Rainbow homes,
Chennai



My friend should be Helpful

In my family we are four persons - myself, my younger brother and younger sister. I have father but mother is no more. I was with my Aunt (my mother's elder sister). I don't like to be with that family and that's the reason why I arrived here at Rainbow Home.

My Friends : ■ Deepika ■ Asha ■ Sivasankari
■ Bhavani ■ Amutha

My friend should: study well. She should not involve in any bad activities and behavior. She should be truthful and should share all matters with me. She should guide & should have helping attitude. She should not roam around with her boy-friend.

My friend shouldn't talk bad words, should accept the advice of the elders. We should teach each other our talents & skills. There shouldn't be enmity, quarreling and jealousy among friends. I will share my future plans with her. We should have trust Fellowship is important to complete the task. We should not leave each other in any circumstances.

मेरा दोस्त मददगार हो

मेरे परिवार में चार लोग हैं - मैं, मेरा छोटा भाई, छोटी बहन और पिता। मेरी मां नहीं है। मैं अपनी मां के बड़ी बहन के घर थी, लेकिन मुझे वहां अच्छा नहीं लगता था इसलिए मैं होम आ गई। मेरी सहेलियां हैं - दीपिका, आशा, सिवसंकरी, भवानी और अमृथा।

मेरी सहेली को: पढ़ाई में अच्छा होना चाहिए उसे व्यवहार और आदतें खराब



नहीं होनी चाहिए वह ईमानदार हो और सारी बातें मुझसे शेयर करे। वह ब्याचफ्रेंड के साथ न घूमे हम दोनों एक दूसरे को अपने हुनर सिखाए। दुश्मनी, लड़ाई और जलन दोस्ती में न हो। मैं अपने भविष्य की योजना उसके साथ साझा करूं। दोस्तो मे आपसी विश्वास होना जरूरी है। एक दूसरे के साथ रहना और उस साथ का आनंद उठाना दोस्ती की अनिवार्य शर्त है।

ACTIVITY

Promise Of Long Term Friendship

The GSRD Foundation team from Netherlands comprising of Chairperson Yos, Klaas de Jong, Michiel Steeman, Rien van, Puck and Frouka visited Rainbow Foundation India, Hyderabad.

The team had intensive deliberations with the children of the Homes, on issues of children's stay in the homes, care pattern, food and nutri-

tion, education, artistic skills, children's future livelihood thoughts etc. The team also had field visits to some of the parents and met them on their makeshift street houses.

The team were appreciative of various ways and means that RFI



comprehensive care programme.. & they promised GSRD team the children that they would like to partner RFI in its long journey and upbringing of children.

नीदरलैंड की जीएसआरडी फाउंडेशन की एक टीम ने रेनबो फाउंडेशन इंडिया के तहत चलने वाले होम्स का हैदराबाद में दौरा किया। टीम होम में रहने वाले बच्चों से मिली और उन्हें दिए जाने वाले खाना-पोषण, शिक्षा और अन्य सुविधाओं के बारे में बातचीत की। आरएफआई के प्रयासों से संतुष्टि जताते हुए फाउंडेशन ने लंबी दोस्ती का वायदा किया।





सलामत रहे दोस्ताना

friendship forever

RAINBOW SATHI • रेनबो साथी • రెయిన్ బ్ సాథి • గెరయిన్ పో సాత్తి • ెన్ ెంబో సాథి • రైనబో साथी

RAINBOW SATHI • रेनबो साथी • రెయిన్ బ్ సాథి • గెరయిన్ పో సాత్తి • ెన్ ెంబో సాథి • రైనబో साथी



» We join hands - साथ का हाथ



» Growing with friendship - बढ़ता साथ

फोटो: रहमान



फोटो: रहमान

» Sharing of dreams - तेरी आंखों में सजे मेरे सपने



फोटो: रहमान

» Touching sky - उड़ान के पंख



» Joy of togetherness - मस्ती में हम



» Let's play - खेलें हम मस्ती में



» Loving companion - तुझसे भी हैं प्यार



» Colours of friendship - सजाए प्रेम की रंगोली



» Loving country - वतन से मोहब्बत



» No boundary for love - प्यार भरी नजर





Day scholar friend want to live at rainbow home

As a Rainbow child staying away from my parents at a very young age, did not even feel that I am alone or without being loved because life in Rainbow is like life at home. Rainbow is a place where we get love, joy, peace and friendship. I am so lucky to be in the Rainbow home with so many friends, where we share things together, tried to adjust and help each other in all circumstances. We learn to stand on our own feet and are not depended on others. We work in groups and have fun, where as the day scholars stay alone at home doing lots of home work and going to the tuition. Their life is so busy that they don't even have the to share, chat and play with friends. They get bored of such a life where they only have to study. As I am studying at Loreto School, I got many friends. Amongst them Meghna is closest to me. We share jokes, feelings and help each other at times. When we were in junior section we enjoyed so many things. We used to play different games and learn dancing. Whenever I used to forget to bring my craft items she used to share her stuff with me. But as the time passed we were teenagers in senior section then my friend Meghna became very self-conscious and lacked confidence because they were multiple changes happening in her mind. Due to effect of social media to which she had access, she got involved with some bad people. In sometime she realized her mistake and was undergoing a very bad time emotionally. I made sure that I was with her to bring her out of her sadness and guilt. As she is the only child of her parents and there is no one with whom she could share her feelings. She finds me as a best listener. When she is at home she thinks when she will go to school. She doesn't feel like staying at home because her mother always scolds her for small mistake. My friend gets so much of pressure that she always says me that she is tired of her mother and she want to run away. Meghna wants to live life like me in the Rainbow Home where she will have so many friends. Now I think that those who are



**Kanchan Paswan,
class 10 B**

**Loreto Day School, Bowbazar
Kolkata**



day's scholar even they have many problems in their life. As I always used to think that their life is better than my life. I thank god for giving me Rainbow life where I have been given all the opportunities to enjoy my life.. My friends in Rainbow like Meghna's friendly nature.

As I helped my friend in so many things. Similarly she helped me at times when I need her help. When we were given a project to submit and it was the last date. My friend and I could not complete it. She instead of doing her project she helped me and when the teacher asked for all the projects and Meghna's project was found missing. She got scolding from the teacher. I was very sorry for Meghna and told her that you should complete her project first. She replied me that for friendship she can sacrifice everything.





डे-स्कॉलर दोस्त भी रहना चाहती है रेनबो होम में

कंचन पासवान, कक्षा 10 बी

लॉरेटो डे स्कूल, बो बाजार, कोलकाता



Amita Kumari, Class-3

Girl's home, Rajvansi Nagar, Patna.

मैं ने बहुत ही कम उम्र में अपने माता-पिता से अलग रहकर रेनबो होम में रहना शुरू किया और मुझे यहां कभी यह महसूस नहीं हुआ कि मैं अकेली हूँ या मुझे प्यार नहीं मिलता क्योंकि रेनबो की जिंदगी भी घर जैसी है। रेनबो वह जगह है जहां हमें प्यार, खुशी, सुकून व दोस्ती मिलती है। मैं खुशकिस्मत हूँ कि मैं रेनबो होम में इतने दोस्तों के साथ हूँ जहां हम आपस में चीजें बांटते हैं और हस स्थिति में एक दूसरे की मदद करने की कोशिश करते हैं। यहां हम अपने पांवों पर खड़े होना सीखते हैं ताकि दूसरों पर निर्भर न रहें। हम सब मिलकर काम करते हैं और मस्ती करते हैं जबकि डे स्कूलर्स को घर पर जाकर अकेले सारा होमवर्क करना पड़ता है, ट्यूशन जाना होता है।

मैं लॉरेटो स्कूल में पढ़ती हूँ और वहां मेरे कई दोस्त हैं। उनमें मेघना मेरे सबसे नजदीक है। हम आपस में मजाक करते हैं और समय-समय पर एक-दूसरे की मदद करते हैं। हमारी दोस्ती इतनी मजबूत है कि वह किसी तूफान से भी टूट नहीं सकती। जब हम जूनियर सेक्शन में थे तो खूब मजे करते थे। हम अलग-अलग खेल खेलते थे और नाचना सीखते थे। मैं पाफ्ट का कोई सामान लाना भूल जाती थी तो वह अपना सामान मुझसे बांट लेती थी। बड़े होने पर जब हम सीनियर सेक्शन में आए तो मेघना खुद में ज्यादा खोई रहने लगी और कई दिमागी बदलावों के कारण उसमें आत्मविश्वास की भी कमी होने लगी। सोशल मीडिया के असर के कारण कुछ गलत लोग भी उसके संपर्क में आ गए। कुछ समय बाद उसे अपनी गलतियों का भी अहसास हो गया। लेकिन उन दिनों उसे मानसिक रूप से काफी खराब समय से गुजरना पड़ा। मैंने कोशिश की कि उस मुश्किल वक्त में मैं उसके साथ रहूँ ताकि उसे दुख व ग्लानि से बाहर निकाल सकूँ। वह अपने माता-पिता की अकेली संतान है इसलिए वह अपनी बातें किसी से बांट नहीं सकती। मुझे वह एक ऐसी इंसान के रूप में देखती है जो उसकी सारी बातें सुन सकता है। जब वह अपने घर भी होती है तो हमेशा स्कूल जाने के बारे में सोचती रहती है। कभी-कभी तो उसका भी मेरी तरह रेनबो होम में रहने का मन करता है जहां उसे खूब सारे दोस्त मिल सकें। वह हर काम वक्त पर करना चाहती है और यह नहीं चाहती कि कोई हर वक्त उसके पीछे भागता रहे या उसे टोकता रहे। मुझे भी लगता है कि जो डे स्कूलर्स हैं, उनकी भी जिंदगी में कई मुश्किलें हैं, जबकि पहले मैं सोचती थी कि उनकी जिंदगी हमसे बेहतर है। रेनबो होम ने मुझे जिंदगी को हर तरह से जीने की आजादी दी है। मेघना को रेनबो होम में बाकी लड़कियों से मिलना पसंद है और जब भी समय मिलता है वह उनसे मिलने आती है। रेनबो होम की मेरी दोस्तों को भी मेघना का दोस्ताना स्वभाव अच्छा लगता है। वह लोगों में भेद नहीं करती और सबसे स्नेह से बात करती है। एक बार हमें क्लास में प्रोजेक्ट पूरा करके जमा कराना था और उसकी आखिरी तारीख थी। हम दोनों ही उसे पूरा नहीं कर पाए थे। लेकिन मेघना ने अपना प्रोजेक्ट पूरा करने के बजाय मेरा प्रोजेक्ट पूरा करा दिया। अगले दिन उसका प्रोजेक्ट जमा नहीं हुआ तो उसे टीचर से डांट पिटी। मुझे बहुत दुख हुआ। मैंने उसे कहा कि उसे पहले अपना प्रोजेक्ट पूरा करना चाहिए था, तो उसने कहा कि मेरी दोस्ती के लिए वह कुच भी कर सकती है। हम नर्सरी से ही साथ हैं और एक-दूसरे का साथ छोड़ना नहीं चाहते लेकिन यह हमारा साथ पढ़ने का आखिरी साल है। इसके बाद वह दूसरे स्कूल में चली जाएगी और मुझे उसकी कमी बहुत खलेगी।

आया बदल

आया बदल आया बादल
मस्ती भरकर लाया बादल
तरह तरह के चित्र बनाएँ
जोर जोर से पानी बरसायें

लंबे लंबे बूँदें टपकायें
किसानों के खेत लहराएँ
जब आती है कमरे में पानी
सबको याद आती है नानी
चुन्नू मुन्नू गुड्डू आओ
बोरा छतरी को भी लाओ
देखो नाच रहा है मोर
जब होते रातों के भोर

नदी नहर भी भर जाएँ
सड़क गली में कीचड हो जाये
कचरे को भी साथ ले जाएँ
बरसात है सबको भाये

Rain

Cloud came cloud came
With full of joy cloud came
They turn in various forms
Rain water fast and fast

Pour water in big big drop
Make farmer's field full of green
When water comes in room
We feel pain and pain

Come chunnu, munnu and guddu
Come with umbrella and sheds
Look peacock is dancing
When morning comes from night

River and channel became full of water too
Mud is everywhere in road and lane
Water went with mud
Everyone loves rain.





हमारी दोस्ती के बीच धर्म नहीं आता

मुझे होम में रहना पसंद है। यहां में करीब दो साल से हूं। मेरे घर में हैं तो सब लेकिन बहुत दिक्कत थी। मुझे खाना और पढ़ना दोनों बहुत पसंद है और घर में दोनों ही बहुत मुश्किल था। हंसी-खुशी सब गायब थी। मेरी अम्मी नाजिया घर में हेल्प (डोमेस्टिक हेल्प) की तरह काम करती है। बड़े भाई जाकिर की शादी हो गई है, उसकी गाड़ी भी मुश्किल से चल रही है। मेरे अब्बू कोयले के कारखाने में काम करते थे। वहां आग लग गई और अब्बू जल गए और उनका इंतकाल हो गया। बहुत खराब समय था। फिर मोहिनी दीदी मुझे होम लेकर आई और उसके बाद से मेरी जिंदगी पूरी तरह से बदल गई। मेरी सबसे अच्छी दोस्त है अंजलि। हम दोनों की खूब पटती है। वह भी मेरे साथ होम में ही है और हम हमेशा साथ-साथ रहना पसंद करते हैं। अंजलि के घर में पापा-मम्मी और भाई हैं। पापा चिकन की दुकान पर काम करते हैं और मां बंगार (कबाड़) चुनती है। हम दोनों (आसमा-अंजलि) की कहानी भी बहुत मिलती जुलती है और इसीलिए हम सबसे अच्छे दोस्त हैं। हम खेलते भी खूब हैं। पकड़-पकड़ी, कबड्डी, लुक्का-छिपी, रस्सी डंडी, लगड़ी तो हम जब मन आए तब खेलने लगते हैं। डांस करना और टीवी देखना भी बहुत पसंद है। ऐसा नहीं कि हम लड़ते नहीं। लड़ाई तो दोस्ती का हिस्सा ही होती है न। लड़ने के बाद जब हम मिलते हैं तो और मजा आता है, लेकिन हम कभी दूर नहीं होंगे यह तो तय है। अंजलि का स्वभाव बहुत अच्छा है, वह समझती है मेरे दुख को। पढ़ाई भी हम साथ-साथ करते हैं। गरीबों के बीच, सड़क पर जिंदगी गुजारने वाले बच्चों के बीच दोस्ती बहुत जरूरी है। वरना हमारे साथ मुसीबत में खड़ा होने वाले लोग कम होते हैं। कई बार लोग पूछते हैं अंजलि से



आसमां, कक्षा - 6
रेनबो होम, पुणे, महाराष्ट्र



कि मैं मुसलमान हूं और वह हिंदू, फिर हम दोस्त कैसे। हम कहते हैं कि हम एक ही हैं। हमारे बीच धर्म नहीं आता। मेरा जन्मदिन 14 अप्रैल यानी अंबेडकर जयंति पर पड़ता है उस दिन अंजली आई और हमने खुब मस्ती की इसी तरह अंजली का जन्मदिन 25 दिसंबर को आता है हमने केक खाया डीजे पर नाचे यानि फुल टॉस मस्ती की। दोस्ती हो तो जिंदगी में कितना मजा आता है यह बताने के लिए मेरे ख्याल से किसी भी भाषा में शब्द नहीं है।

Religion doesn't comes between us

I love to stay in homes I am here from almost two years. I have everyone in family but there was a problem. My mother Nazia works as a domestic help and big brother Jakir married. My father died in the fire at coal factory. It was very tough time Mohini didi brought me to home & since then my life has completely changed. My best friend is Anjali, we love each other & stay in same home. We enjoy each other company. Anjali have mother, father & brother in the family. Her father works at chicken shop & mother is a ragpicker. We love to play, dance & watch TV. Some time we fight also I like Anjali's nature. Many time people ask how we are so close friends as I am Muslim & Anjali is Hindu. We just say we are one, religion doesn't come between us. We celebrate each others Birthday together I don't have words to explain how much fun-joy is in friendship.



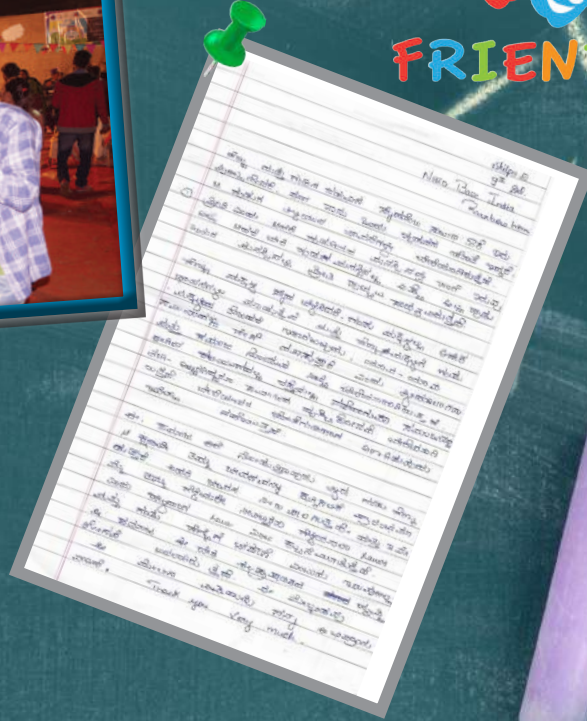


Shilpa D, 15yrs, 9th Class
Need bas India, RH Bangalore

Society against true friendship

Friendship with Opposite Gender: Why is it difficult?

- Friendship between a Girl and a Boy is not common compared to friendship between the same genders because; there are chances that the relationship could lead to romantic feelings. Even if the intention differs, the society would label a Girl and a boy as a couple although they are siblings.
- It is common even in the peer groups of the Boy, do not encourage him to talk or have friendship with a girl.
- The society have a tendency to spoil a friendship assuming that they are in a relationship and this will lead to affecting his/her lives. They Label them as Lovers.
- Due to Society's impression on their friendship, there are chances that the boy and the girl to develop feelings towards each other.



लड़का-लड़की की दोस्ती के खिलाफ समाज

- लड़का और लड़की के बीच में दोस्ती बहुत सामान्य बात नहीं है। इसकी वजह यह हैं कि अक्सर ऐसे रिश्तों के रोमांटिक संबंधों में तब्दील होने की संभावना होती है। अगर लड़का-लड़की की ऐसी मंशा न भी हो वे बस दोस्त ही रहना चाहे लेकिन समाज, लड़के और लड़की की दोस्ती को प्रेम ही बना देता है। यहां तक की अगर लड़का-लड़की आपस में रिश्तेदार भी हो तो भी समाज के ठप्पे से बच नहीं पाते कि दोनों में कोई चक्कर है।
- लड़कों के जो दोस्तों का गुप भी उसे प्रोत्साहित नहीं करता की वह किसी लड़की से दोस्ती करें।
- हमारे समाज की भी यह प्रवृत्ति है कि वह लड़का और लड़की की दोस्ती को बर्बाद करने की कोशिश करता है। वह हमेशा यह मान के चलता है कि वे प्रेम संबंध में है। और उन पर प्रेमी होने को ठप्पा लगा देता है। इससे लड़के और लड़की की जिंदगी पर बुरा असर पड़ता है।
- समाज के दबाव के वजह से इस बात की संभावना बढ़ जाती है की लड़का और लड़की सहज दोस्ती को कायम रखने की बजाए एक दूसरे के प्रति रोमांटिक भावनाएं विकसित कर लें।





शिवम, उम्र-16, कक्षा-10
स्नेहधर, अमलाटोला, पटना, बिहार

मेरी कोई जाति या धर्म नहीं है

जब मैं स्टेशन पर रहता था तो सामने के मोहल्ले कमला नेहरू नगर में लोग जाति के आधार पर बहुत लड़ते थे। कुछ बच्चों से दोस्ती हुई जब मैं सुधार गृह गया तो मुलाकात डोम, मुसहर और कई अन्य जातियों के बच्चों से हुई। सुधार गृह के लोग इन बच्चों के पास न तो आना चाहते थे और न ही उन्हें छूना चाहते थे। फिर एक मेडम शिवानी आई जो सब बच्चों से मिलजुल कर रहती थी। मैंने उनसे पूछा सब इन बच्चों से नफरत क्यों करते हैं, तब उन्होंने बताया कि ये बच्चे गंदे रहते हैं, सूअर का मांस खाते हैं, रंग काला हैं इसलिए लोग इनके बारे में गलत धारणाएं बना लेते हैं। तब से मैंने तय किया कि न मेरी कोई जाति होगी, न ही धर्म मैं सब जाति और धर्म को मानूंगा। सुधार गृह से बाहर आकर मैं रेनबो होम से जुड़ा, मेरा स्कूल में देखिला हुआ। दो दोस्त बने सुलेमान और विक्की, सुलेमान मुस्लिम हैं लेकिन भेदभाव नहीं मानता और विक्की भी ऐसा ही हैं। सुलेमान ने बताया की उसके मोहल्ले में जाति और धर्म को लेकर भेदभाव करते हैं। ये भेदभाव हटाना जरूरी है नहीं तो हमारी दोस्ती पर मुश्किलें खड़ी हो सकती हैं।

No Caste, No Religion

When I was in Remand home I found staff discriminate against children belonging to dalit caste esp. dom & mushar community. Shivani madam told me its all misconception & I declared I am out of caste & religion. Later when I joined Rainbow Homes got admission in school, Suleman & Vicky became my friend. Suleman is muslim & people discriminate him. We should stop this I don't want to lose my friends



Friendship & Floods

Monisha, Class-10
(Rainbow Home, Chetpet)

I have my mother only & one young sister. My father married another woman 5 years ago, leaving us uncared. My mother serves as a domestic maid to earn a living to make ends meet. I am in the Rainbow Home for the past 3yrs.

During Chennai floods Chakkravarthi, Babu and Raju, came from Hyderabad for relief support. They became my friends. Brother Chakkravarthi spoke to me in Telugu. I was able to understand the language a bit and responded to him in Telugu. When he asked about my date of birth I felt so happy because no one asked me. They asked about home which I shared bond of friendship developed. When our home was flooded, they worked hard. I will never forget their gesture of kindness, affection, support and love. I also shared about my family situation with them. They advised me to take care of my mother & sister.

बाढ़, संकट और दोस्ती

मेरे घर में सिर्फ मां और छोटी बहन हैं। मेरे पिता ने 5 साल पहले किसी दूसरी महिला से शादी कर ली और हमें बेसहारा छोड़ दिया। जब चैनई में बाढ़ आई थी तो हैदराबाद से चक्रवर्ती, बाबू और राजू हमारी मदद के लिए आए थे। चक्रवर्ती भइया ने मुझसे तेलुगू में बात की जो मुझे थोड़ी समझ आई। उन्होंने मेरी जन्म तिथि पूछी जिससे मैं बहुत खुश हुई। आज तक किसी ने मुझसे यह नहीं पूछा था। मैं थोड़ी संकोची हूँ लेकिन इन भाइयों ने मेरा होंसला बढ़ाया और बातचीत की बाढ़ में हमें सुरक्षित रखने में बहुत मेहनत की मैं उनकी यह उदारता, प्रेम और मदद कभी नहीं भूल पाऊंगी। मैंने उनसे अपने घर के बारे में भी बात की। उन्होंने समझाया कि मुझे अपनी मां और छोटी बहन का ध्यान रखना होगा। खासतौर से मुझे चक्रवर्ती भइया बहुत अच्छे लगे।





Friendship With Partners

Appreciation of Common Interests led to this Friendship with partners. We Joined hands to care for children. It is interesting to share the story of our friendship and how we joined hands to extend this caring campaign. Basically it is everyday enjoying our experiences of reclaiming missed childhood.

The friendship of Sister Cyril, an Irish Nun in the Loreto missionary and Ferdinand Van Kool Wijk, a business man from Holland, initiated Rainbow Homes with the help of Loreto Management. Even though Ferd was not getting visa to visit India at one point of time, his friendship with Harsh Mander took them to Istanbul, Turkey, where they dreamt to spread Rainbow model across our country, India. So the journey of love started. Multi-cultural & multi religious diversity of our country is reflected among the 26 voluntary organisations who are our partners. Our partners are running 45 homes in 8 cities. Firm belief in the initial goodness in most human beings is what brought us together over a decade.

All our partners are leaders from different communities who emerged from Dalits, minorities, women. They passionately want social change. We are working to eradicate discrimination against Dalits, minorities, adivasis, and end violence on women and girls, child abuse etc. Moreover, our friends are also specialists in their areas of work such as setting up quality schools, to build values among children, working to bring equality in education, defending the rights of dalits and battered women, homeless families, rights of street vendors, rag-pickers and sanitation workers, and reuniting lost children with their families. and forging further bonds of love and togetherness,. We all have a long term commitment towards children in rainbow homes to defend child rights.

We are bound with thread of belief that healing power of the politics of love that is leading us and moving steadily to wipe out hunger and hatredness in this world.

Anuradha & Ambika

साझा हितों पर टिकी दोस्ती

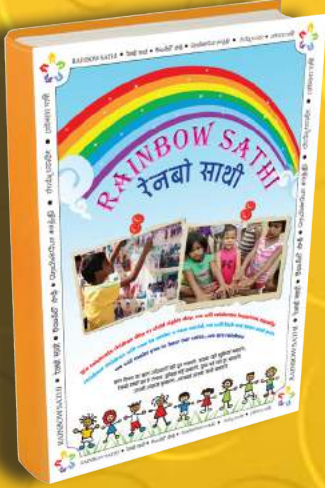
समान हितों की रक्षा ही हमारे सहयोगियों (पार्टनर्स) से हमारी दोस्ती की वजह हैं। हमने बच्चों की देखभाल करने के लिए ही हाथ मिलाया हैं। इस प्रक्रिया में हमने खोए हुए बचपन को दुबारा हासिल करने के अपने अनुभव का रोजाना लुत्फ उठाया। लोरिटो मिशनरी की सिस्टर सीरिल की और हॉलैंड के कारोबारी फर्निनांड वान कूल विज के बीच दोस्ती ने रेनबो होम्स की शुरुआत कराई जिसमें लोरिटो प्रबंधन ने मददगार भूमिका निभाई फर्निनांड को भारत न आने की अनुमति न मिल पाने के बावजूद, हर्ष मंदर से उनकी दोस्ती, दोनों को तुर्की के इस्तांबुल शहर ले गई। यहां उन्होंने रेनबो मॉडल को देशभर में फैलाने का सपना देखा। हमारे देश की विविधता भरी संस्कृति और अनेक धर्मों के बीच सामन्जस्य हमारे 26 पार्टनर संस्थाओं में प्रतिबिंबित होता है। हम मिलकर 8 शहरों में 45 होम्स चला रहे हैं। हमारी सभी साथी संस्थाएं अलग-अलग समुदायों से आती हैं, जैसे दलित अल्पसंख्यक महिलाएं आदि। हमारा प्रेम और सहभागिता का रिश्ता दिनोंदिन और मजबूत होता जा रहा है। हम सभी बाल अधिकारों की रक्षा को कटिबद्ध हैं। हम उम्मीद करते हैं कि प्रेम और सदभाव की राजनीति के तार एक दिन विश्व से भूख और घृणा का खात्मा कर देंगे।

अनुसाधा और अंबिका





Inauguration of Rainbow Sathi



1



2

1. Hyderabad, launched at 14th November with social activist & Rainbow foundation India team members.
2. Patna, team released the magazine at childrens day celebration event organised by RFI in collaboration with IndusInd Bank.
3. Delhi, Magazine launched by noted TV journalist Raideep Sardesai, & renowned historian Uma Chakrawarti at Kilkari home. Children from three other homes participated. Reading session from Rainbow Sathi was also conducted. Raman Magaysay awardee Bezwada Wilson also spoke.



3





4



5



6



7

4. Delhi, Realised at Kilkari homes by citizen journalist & Editorial board members.
 5. Chennai, Realised at chepet police station by officer.
 6. Chennai, inaugurated by district child protection officer Shiv kumar & child right activist Arun, Virgil.
 7. Bangalore, launched at home with full fun & reading
 8. Kolkata, Through children hands.
 9. Hyderabad magazine launched at Musheerabad home along with social activist Kondaveeri Jothimayi



8



9

RAINBOW SATHI • రేనబో సాథి • రియన్స్ సాథి • గెయిన్పో సాత్తి • ర్నజ్జో సాథి • రేనబో సాథి





Rakshitha, 5th Std, 11 years
VKH Rainbow Home, Bangalore

We like to eat masala dosa

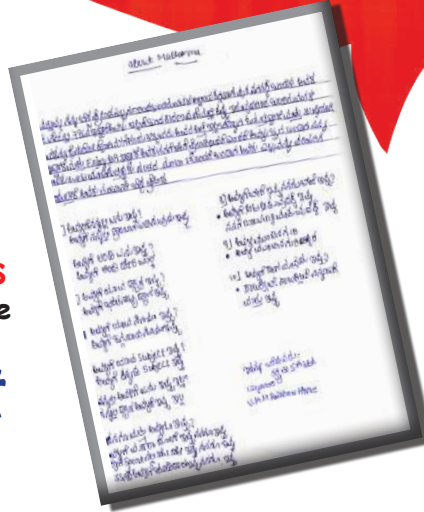
Rakshitha Interview Mallamma, her Best Friend.
Mallamma became my Best friend when I became ill and she took very good care of me more than anyone, she takes good care of me whenever i fall sick and she is very helpful in my studies as well. I interviewed her to find links between us.

- What does you like in me?** ➔ I like your Drawing.
- Favourite sweet?** ➔ Diary Milk Chocolate.
- Favourite Movie?** ➔ Jagandhadha (Kannada)
- Your favourite Dance?** ➔ Bharathanatayam
- What is your favourite Game?** ➔ Kho Kho
- Favourite Subject?** ➔ Kannada Language

हमें मसाला दोसा पसंद है

मैं बताना चाहती हूँ कि मलालअम्मा मेरी सबसे अच्छी दोस्त तब बनी जब मैं बीमार पड़ी थी, उसी ने सबसे ज्यादा ध्यान रखा और आज भी पढ़ाई में मेरी मदद करती हैं। मैंने उससे बातचीत की:

तुम्हें मेरे में क्या अच्छा लगता है ➔ तुम्हारी ड्राइंग



Your Goal in life? ➔ I wants to become a Doctor.

Favourite colour? ➔ Purple.

▶▶ We both like to eat Masala Dosa. ▶▶ We Like to Play Games. ▶▶ We both like the song Saluthave saluthave. ▶▶ We both like Chudidhar

About Mallamma: Mallamma is from Gulbarga, North Karnataka. There are 7 members in her family. She came to rainbow home because due to droughts survival was very difficult. I also came because of trouble in the family. So our background is same

पसंदीदा मिठाई ➔ डेयरी मिल्क चॉकलेट

पसंदीदा फिल्म ➔ जगनधाधा (कन्नड)

पसंदीदा डांस और खेल ➔ भरतनाट्यम और खो-खो

जीवन में लक्ष्य ➔ डॉक्टर बनना

हम दोनों को मसाला दोसा खाना पसंद हैं, मलालअम्मा गुलबर्गा की रहने वाली हैं। सूखे की वजह से परेशान परिवार ने होम में भेजा हम दोनों बहुत गरीब परिवार से हैं, अच्छे दोस्त हैं और खुश रहते हैं।





Open Hearts, Open Gates...

Rainbow Foundation India and ARUN Jointly offer a solution in collaboration with Govt and civil society.

The Rainbow Homes for girls and Sneh Ghar for boys secure the basic rights of the children formerly on the streets through comprehensive care

i.e. guaranteed education, nutrition, clothing, health care, recreation, love and support to ensure their reintegration into mainstream society.

Anna Dhara Campaign

The Anna Dhara campaign is an attempt to reach out to supporters like you from the civil society to make a difference in the lives of children living in Rainbow Homes and Sneh Ghars located in 45 Govt & Private Schools in 8 states.

- 👉 providing minimum of a day's meal for 100 children
- 👉 share life nourishing values with children

One Day Food cost per Child
Rs. 50
One Day Food cost for 100 Children
Rs. 5000

45 Homes and 3766 Children

Bank Details:
Bank A/C Name: ASSOCIATION FOR RURAL AND URBAN NEEDY (ARUN)
BANK : Yes Bank Ltd
A/C No: 042494 600000102
Branch : ABIDS, Hyderabad
IFSC : YESB0000424





Newsletter of Rainbow Foundation India (for private circulation only)

Rainbow Foundation India

26 Partners , 45 Homes in 8 states



3766 Children under our care
2885 Girls and **881** Boys



688 Kolkata



340 Delhi
 206 Girls & 134 Boys



1527 Hyderabad
 1017 Girls & 510 Boys



111 Anantapur



385 Bangalore
 331 Girls & 54 Boys



136 Chennai



439 Patna
 256 Girls & 183 Boys



140 Pune

Rainbow Homes EMBRACE. EDUCATE. ENABLE.

Anuradha Konkepudi, Executive Director Email: reach@rainbowhome.in
 Rainbow Foundation India, 1-1-711/c/1, 1st floor,
 Opp. vishnu Residency, Gandhinagar, Hyderabad - 80 Office No: 040-65144656

